भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 49

उत्तर देने की तारीख 21 जुलाई, 2025
30 आषाढ़, 1947 (शक)

महाराष्ट्र में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र की स्थापना

49. श्री अरविंद गणपत सावंत:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में खेलों को बढ़ावा देने हेतु सरकार की योजना का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार, विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा खेलों में सभी प्रतिभाशाली युवाओं को समान अवसर प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(घ) महाराष्ट्र में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र स्थापित करने हेतु सरकार की क्या योजना है;

(ङ) क्या सरकार सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल या राज्य सरकारों की सहायता से ऐसे खेल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की कोई योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या सरकार ने "खेलो इंडिया" और "फिट इंडिया अभियान" के अंतर्गत महाराष्ट्र में कोई कार्यक्रम आयोजित किया है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ग): 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, खेलों के विकास और संवर्धन की प्राथमिक ज़िम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, खेल विभाग, निम्नलिखित स्कीमों और पहलों के माध्यम से, खेलों के विकास और संवर्धन हेतु राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के प्रयासों में सहायता प्रदान करता है:

(i) खेलो इंडिया स्कीम;
(ii) राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता;
(iii) अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद प्रोत्साहन;
(iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार,
(v) मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन;
(vi) खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम;
(vii) राष्ट्रीय खेल विकास कोष; और
(viii) भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्र का संचालन

इन स्कीमों का विवरण इस मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइटों पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

इसके साथ ही, 'खेलो भारत नीति 2025' के माध्यम से, सरकार का लक्ष्य देश के खेल परिदृश्य को नया रूप देना और खेलों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाना है। इस नीति राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 का स्थान ले लिया है और यह भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति और 2036 के ओलंपिक खेलों सहित अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्टता के एक प्रबल दावेदार के रूप में स्थापित करने के लिए एक दूरदर्शी और रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करती है।

सरकार ने समय-समय पर विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं और साथ ही सभी प्रतिभाशाली युवाओं को समान अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न खेलों के लिए वित्तीय सहायता और समर्थन प्रदान करने हेतु कदम उठाए हैं। साथ ही, खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय और देशज खेलों जैसे खो-खो, सिलंबम, कबड्डी, मलखंभ, क्लारीपयाट्टू, गतका, थांग-टा और योगासन के लिए भी प्रयास किए हैं।

सरकार ने खेलो इंडिया स्कीम के माध्यम से समान अवसर प्रदान करने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

1. खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना : देश भर में जिला स्तर पर 1057 खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) अधिसूचित किए गए हैं। ये केंद्र एथलेटिक्स और कुश्ती से लेकर कबड्डी और तीरंदाजी तक, ग्रामीण समुदायों में लोकप्रिय विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। ये केंद्र गुणवत्तापूर्ण कोचिंग, कौशल विकास और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हैं।

2. खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) की स्थापना : उपकरणों की महत्वपूर्ण कमियों को पूरा करने, उच्च-गुणवत्तापूर्ण कोचिंग और खेल विज्ञान जनशक्ति प्रदान करने के लिए राज्य सुविधाओं को सहायता प्रदान की जाती है, ताकि प्रत्येक राज्य के बच्चों का पोषण और सहायता की जा सके। वर्तमान में, 33 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 34 केआईएससीई अधिसूचित किए गए हैं।

3. खेलो इंडिया प्रतिभा पहचान एवं विकास घटक के माध्यम से वर्तमान में 21 खेल विधाओं (पैरा स्पोर्ट्स सहित) में 2808 एथलीटों को सहायता प्रदान की जा रही है। खेलो इंडिया एथलीटों (केआईए) के प्रशिक्षण के लिए कुल 306 अकादमियों को मान्यता दी गई है।

4. खेलो इंडिया गेम्स के आयोजन के माध्यम से : खेलो इंडिया गेम्स के अब तक 19 संस्करण आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें देश के विभिन्न हिस्सों से युवाओं की व्यापक भागीदारी देखी गई है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, देश के ग्रामीण/पिछड़े क्षेत्रों में भी साई केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनकी सूची नीचे दी गई है:

क्षेत्र	केंद्र का नाम	राज्य	ग्रामीण/अन्य पिछड़े क्षेत्र
जीरकपुर	बिलासपुर	हिमाचल प्रदेश	ग्रामीण
	बादल	पंजाब	ग्रामीण
	मस्तूनसाहिब	पंजाब	ग्रामीण
	सोलालगांव	असम	ग्रामीण
इम्फाल	उत्लौ	मणिपुर	ग्रामीण
कोलकाता	पोर्ट ब्लेयर	अंडमान और निकोबार	ग्रामीण
	हजारीबाग	झारखंड	ग्रामीण
	सुंदरगढ़	ओडिशा	ग्रामीण
	लेबोंग	पश्चिम बंगाल	ग्रामीण
लखनऊ	सैफई	उत्तर प्रदेश	ग्रामीण
एलएनसीपीई	मयिलादुतुरई	तमिलनाडु	ग्रामीण
कोलकाता	गुरुकुल आश्रम, अमसेना, नुआपाड़ा	ओडिशा	पिछड़ा

(घ) साई की खेल प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में साई के केन्द्रों का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

वर्तमान में, साई ने अपनी खेल प्रोत्साहन स्कीमों के पुनर्गठन का कार्य शुरू कर दिया है। मौजूदा खेल अवसंरचना और वित्तीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मौजूदा केंद्रों की क्षमता को सुदृढ़ करने पर ज़ोर दिया जा रहा है।

(ङ): वर्तमान में, साई में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(च) से (छ): खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में निम्नलिखित स्पर्धाएं आयोजित की गई हैं :

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2019: केआईवाईजी 2019 का आयोजन 9 से 20 जनवरी, 2019 तक महाराष्ट्र में किया गया और इसमें 3000 से ज़्यादा एथलीटों ने हिस्सा लिया। महाराष्ट्र 18 खेलों में भारी भागीदारी के साथ 227 पदक (85 स्वर्ण, 61 रजत, 81 कांस्य) जीतकर ओवरऑल चैंपियन बना।

महिलाओं के बीच खेलों को बढ़ावा: महिलाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करने के लिए 2021 में खेलो इंडिया महिला लीग की शुरुआत की गई। महाराष्ट्र राज्य में 8,132 महिला एथलीटों की भागीदारी के साथ कुल 54 अस्मिता महिला लीग का आयोजन किया गया है।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल: फिट और स्वस्थ रहने के साधन के रूप में साइकिलिंग को बढ़ावा देने के लिए 17 दिसंबर 2024 को शुरू किया गया। इस अभियान में हर रविवार को कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

*****

अनुबंध

श्री अरविंद गणपत सावंत द्वारा 'महाराष्ट्र में साईं केंद्र की स्थापना' के संबंध में पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 49 दिनांक 21.07.2025 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध।

महाराष्ट्र राज्य में साई स्कीमों का विवरण

राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई)

क्र.सं.	**क्षेत्र/केंद्र का नाम**	**विधा**	**आवासीय**			**गैर-आवासीय**		
			लड़के	**लड़कियां**	**कुल**	**लड़के**	**लड़कियां**	**कुल**
1	कांदिवली	हॉकी	0	34	34	0	0	0
		कुश्ती	30	14	44	0	0	0
		कुल:	**30**	**48**	**78**	**0**	**0**	**0**
2	औरंगाबाद	तीरंदाजी	19	06	25	0	0	0
		तीरंदाजी (**पैरा**)	04	01	05	0	0	0
		मुक्केबाज़ी	13	14	27	0	0	0
		फेंसिंग	15	20	35	0	0	0
		फेंसिंग (**पैरा**)	06	02	08	0	0	0
		जिम्नास्टिक	04	11	15	0	0	0
		हॉकी	31	0	31	0	0	0
		भारोत्तोलन	20	15	35	0	0	0
		कुल:	**112**	**69**	**181**	**0**	**0**	**0**
		कुल योग:	**142**	**117**	**259**	**0**	**0**	**0**

देशज खेल और मार्शल आर्ट स्कूल (आईजीएमए)

क्र.सं.	केंद्र का नाम	विधा	(गैर-कार्यशील)
1	धर्मवीर संभाजी हायर सेकेंड्री स्कूल, औरंगाबाद	मलखंभ	

गोद लिए गए अखाड़े

1	सरकारी कुश्ती केंद्र, कोहलापुर	कुश्ती	0	0	0	30	00	30
2	गुलसाची तालीम अखाड़ा, पुणे	कुश्ती	0	0	0	28	02	30
3	हर हर महादेव, मारोती नगर, धुले	कुश्ती	0	0	0	27	03	30

4	जय शिव रे एजुकेशन सोसाइटी, कोल्हापुर	कुश्ती	0	0	0	09	21	30
5	जोग महाराज व्यायामशाला, पुणे	कुश्ती	0	0	0	00	30	30
6	किशनवीर अखाड़ा, भुइज, सतारा	कुश्ती	0	0	0	30	00	30
7	क्रीड़ा विकास व्यायाममंडल, सांगली	कुश्ती	0	0	0	24	06	30
8	एमएन देशमुख कला विज्ञान महाविद्यालय, अहमदनगर	कुश्ती	0	0	0	26	04	30
9	कोल्हापुर जिला राष्ट्रीय तालीम केंद्र, कोहलापुर	कुश्ती	0	0	0	30	00	30
10	एनएल बाल्कवाडे व्यायामशाला, 102 तिलकपथ, नासिक	कुश्ती	0	0	0	30	00	30
11	रंगनाथ मार्कड क्रीड़ा एवं युवक मंडल, पुणे	कुश्ती	0	0	0	27	03	30
12	वीर हनुमान कला क्रीड़ा , सांगली	कुश्ती	0	0	0	30	00	30
13	विश्वात्मक जंगली महाराज कुश्ती केंद्र, अहमदनगर	कुश्ती	0	0	0	30	00	30
14	मामासाहेब मोहोल कुस्ती अखाड़ा, कटराज, पुणे	कुश्ती	0	0	0	0	0	0
		कुल:	**0**	**0**	**0**	**321**	**69**	**390**

*****